पाठ :- हामिद खाँ

प्रश्नोत्तर

1) लेखक का परिचय हामिद खाँ से किन परिस्थितियों में हुआ?

उ) हामिद पाकिस्तान मुसलमान था। वह तक्षशिला के पास एक गाँव में होटल चलता था। लेखक तक्षशिला के खंडहर देखने के लिए पाकिस्तान आया तो हामिद के होटल पर खाना खाने पहुँचा। वहीं उनका आपस में परिचय हुआ।

2) काश मैं आपके मुल्क में आकर यह सब अपनी आँखों से देख सकता'- हामिद ने ऐसा क्यों कहा?

उ) हामिद ने ऐसा इसलिए कहा, क्योंकि वहाँ हिंदू-मुसलमानों को आतताइयों की औलाद समझते हैं, वहाँ सांप्रदायिक सौहार्द की कमी के कारण आए दिन हिंदू-मुसलमानों के बीच दंगे होते रहते हैं। इसके विपरीत भारत में

ऐसी बातें हामिद के लिए सपने जैसी थी

3) हामिद को लेखक की किन बातों पर विश्वास नहीं हो रहा था?

Ans) हामिद को लेखक की भेदभाव रहित बातों पर विश्वास नहीं हुआ। लेखक ने हामिद को बताया कि उनके प्रदेश में हिंदू-मुसलमान बड़े प्रेम से रहते हैं। वहाँ के हिंदू बढ़िया चाय या पकवानों का स्वाद लेने के लिए ~~मुसलमान~~ मुसलमानी होटल में ही जाते हैं। पाकिस्तान में ऐसा होना संभव नहीं था। वहाँ के हिंदू मुसलमानों को अत्याचारी मानकर उनसे घृणा करते हैं। इसलिए हामिद को लेखक की बातों पर विश्वास न हो सका।

4) हामिद खाँ ने खाने का पैसा लेने से इनकार क्यों किया?

Ans) हामिद खाँ ने खाने का पैसा लेने से इसलिए इनकार कर दिया, क्योंकि:-

- वह भारत से पाकिस्तान गए लेखक को अपना मेहमान मान रहा था।
- हिंदू होकर भी लेखक मुसलमान के ढाबे पर खाना खाने गया था।

- लेखक मुसलमानों को आतताइयों की औलाद नहीं मानता था।
- लेखक की सौहार्द भरी बातों से हामिद खाँ बहुत प्रभावित था।
- लेखक की मेहमाननवाजी करके हामिद 'अतिथि देवो भव' की परंपरा का निर्वाह करना चाहता था।

5) मालाबार में हिंदू - मुसलमानों के परस्पर संबंधों को अपने शब्दों में लिखिए।

Ans) मालाबार में हिंदू - मुसलमानों के आपसी संबंध बहुत घनिष्ठ हैं। हिंदूजन मुसलमानों के होटलों में खूब खान-पान करते हैं। वे आपस में मिल जुलकर रहते हैं। भारत में मुसलमानों द्वारा बनाई गई पहली मस्जिद उन्हीं के राज्य में है। फिर भी बड़े सांप्रदायिक दंगे बहुत कम होते हैं।

6) तक्षशिला में आगजनी की खबर पढ़कर लेखक के मन में कौन-सा विचार कौंधा? इससे लेखक के स्वभाव की किस विशेषता का परिचय मिलता है?

तक्षशिला में आगजनी की खबर सुनकर लेखक के मन में हामिद खाँ और उसकी दुकान के आगजनी से प्रभावित होने का विचार कौंधा। वह सोच रहा था कि कहीं हामिद की दुकान इस आगजनी का शिकार न हो गई हो। वह हामिद की सलामती की प्रार्थना करने लगा। इससे लेखक के कृतज्ञ होने, हिंदू - मुसलमानों को समान समझने की मानवीय भावना रखने वाले स्वभाव का पता चलता है।

xxx